

# VISIONIAS

INSPIRING INNOVATION

## ABHYAAS MAINS

### निबंध ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे  
Time Allowed: Three Hours

टेस्ट कोड/ Test Code : 2488

अधिकतम अंक: 250  
Maximum Marks: 250

### सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

### General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 33+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30-32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 1557138

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : AYUSH SHROTRIYA

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी  
Medium: Hindi/English

ENGLISH

तारीख  
Date

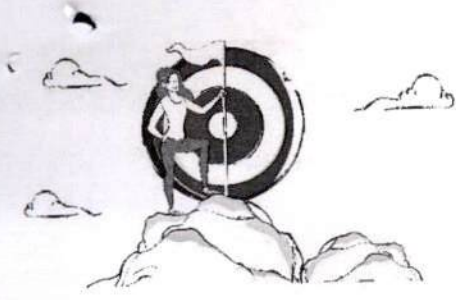
25-Aug-2023

### निबंध ESSAY

केंद्र  
Centre VISION IAS, 34  
DUSA Road (Adjacent to 33  
GMMR building)

निरीक्षक के हस्ताक्षर  
Invigilator's Signature

	<p style="text-align: center;"><b>महत्वपूर्ण अनुदेश</b></p> <p>उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;"><b>Important Instructions</b></p> <p>Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>



**VISIONIAS**  
INSPIRING INNOVATION  
**ABHYAAS MAINS**

**निबंध**

निर्धारित समय: तीन घंटे

टेस्ट कोड : 2488

अधिकतम अंक: 250

**प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश**

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

**ESSAY**

Time Allowed : Three Hours

Test Code : 2488

Maximum Marks : 250

**QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS**

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

## EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

खंड A और B प्रत्येक से एक-एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हो :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each : 125 x 2 = 250

### खण्ड – A / SECTION – A

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।  
It is easier to build strong children than to repair broken men.
2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहलुहान कर देता है।  
A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.
3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।  
Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.
4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।  
History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

### खण्ड – B / SECTION – B

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।  
The wise man does at once what the fool does finally.
6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।  
The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.
7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।  
Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.
8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।  
Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

खण्ड - A / SECTION - A

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।  
It is easier to build strong children than to repair broken men.
2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहलुहान कर देता है।  
A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.
3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।  
Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.
4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।  
History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

3. Just when the caterpillar thought  
the world was over, it became a  
butterfly

At the dawn of Independence, Indian democracy marked with partition, riots, social faultlines, etc. envisioned a mutual peaceful co-existence, maintaining the integrity of nation. For scholars, especially Western ones, thought of balkanization

or civil war in India was a looming reality. For some of them this democratic character was soon to be over.

Fast forward today, India stands at cross-roads of geo-politics with its character of being largest democracy and flag-bearer of it.

In this essay we will look upon why caterpillar thinks the world is over, how it then transforms in butterfly and ways to ease and sustain the process.

Change is the only constant, writes Heraclitus

The change entails a difficult painful process. This change becomes a necessity to overcome the present hurdles. For a caterpillar, life experiences of which is a finite subspace, these present hurdles looks like an unsurmountable barrier.

The current modern era cold war has seemingly signalled the death knell of globalization. WTO logjam, trade wars, development preceded by national security, etc. makes us believe so. Just when it looked like era of

globalization is over, the world has seen rise of multilaterals, expansion of platforms to include new members, etc. SCO including Iran, India pitching for African union as part of G-20 membership are few of the examples.

N.N. Taleb writes that globalization is not ending but transforming.

Such instances of caterpillar thinking the world to be over is because eye cannot see what the mind does not know. For the caterpillar, the immense pain and the ashes of shattered dreams makes it difficult to

see what lies at the end  
of horizon. Just when the  
world thought end of Japan after  
bombing (Hiroshima, Nagasaki), it rose  
again and is the third largest  
economy of today.

But while the caterpillar thinks  
~~so~~ that the world is over, it  
continues to display adversity quotient.  
This unwavering spirit brings the  
required transformation into butterfly.

The will to sustain Indian  
economy <sup>after the crisis in 1991</sup> and lift millions out of poverty

led us towards the LPG (Liberalization, Privatisation and Globalization) reforms. India lifted 421 mn people out of poverty between 2005-19, a testimony to the stated hypothesis.

Similar is the story of recently gone, covid-19 pandemic. At that moment, the uncounting waves, deaths of millions, destruction of livelihood, etc. made us ponder that is the world ever? A globalized, hustle <sup>culture</sup> world which had become stagnant during covid. But then the vaccination, upgradation of health system

made us slide over the "once-in-a-century crisis".

Similar concerns are visible today as well. For some granting of rights to LGBTQIA+ community would mark the end of institutions like marriage; westernization has marked the end of traditional culture. Even in ethical domain, the increased materialism, misunderstood ethical egoism has made many of us believe the doomed end of humanity.

Here, the hypothesis that 'just when

Caterpillar thinks that world is over, it transforms into butterfly' becomes even more important. Though sometimes when caterpillar thinks so, it becomes an unfortunate reality. Caterpillar fails to become a butterfly when such notions overpower the survival instincts and caterpillar fails to adapt.

Toughie, a member of frog specie found in S. American specie was one of the few members who were alive. The extinction of specie was close. Though, researchers rescued Toughie from wildfire and tried to preserve the specie, unfortunately,

the specie is extinct today. This ecocide driven by anthropogenic reasons has resulted into end of life at the caterpillar stage itself.

Therefore, the question arises is how to ensure this transformation?

Such revolution or evolution is quintessential for survival as well as arrival (At higher stage of Maslow's Pyramid).

The key is to realise that ultimate renewable energy is human ingenuity.

One needs to remember the words of

S.A. Sachs that "Hope rises like a phoenix from the ashes of shattered dreams". Therefore, it is a pre-requisite that we predicate the outcomes along optimistic lines.

Just like caterpillar, we should be ready to display courage to undergo change and tide over the pain. To gain insights we need to visualize the future as a butterfly, for J.F. Kennedy writes - "Those who live in the past or present are certain to miss future".

Discarding the <sup>advantages</sup> ~~drawings~~ of coerced unity for individual freedom <sup>and</sup> progressive

realization of rights for communities like LGBTQIA+ can make the socio-political spectrum evolve into butterfly.

However, such lasting change will only come when individuals are self-aware and willing to undergo suffering, struggle and sacrifice. ~~for~~ The statement 'Just when the caterpillar thought the world is over, it became a butterfly' is the key to unlock the hitherto potential ~~lying~~<sup>shrouded</sup> in the fog of

adversity and realise that

'Darker the night, Nearer the dawn'.

खण्ड - B / SECTION - B

उम्मीदवारों को  
इस प्रश्न में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।  
The wise man does at once what the fool does finally.
6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।  
The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.
7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।  
Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.
8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।  
Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

8. Keep your face to the sunshine  
and you cannot see a shadow

With the rise of fascism <sup>and</sup> Nazism,  
anti-semitism also grew in Europe.

Millions of Jews were taken to  
concentrated camps. The world saw gross  
violation of human rights and the  
suffering individuals saw the shadows

and viciousness in character of mankind.  
However, Anne Frank writes in her  
diary. that when I have this sun  
gleaming upon the ground, pen to write  
what I feel, what I have to complain  
about? Even in the darkest shadows  
her flames of life kept flickering as  
she kept her face towards the  
sunshine.

Sunshine is similar to a worthy  
goal or a symbol / ideal which keeps the  
man going even when the shadows of  
failure, suffering, etc. looms large.

Viktor Frankl in his 'Man's search for meaning' writes that if a man can find his meaning then he can overcome any obstacle.

Lionel Messi suffered from deficiency of growth hormone. His family was unable to meet the expenses required to get the corresponding drug. Despite such circumstances, he kept alive the spirit of football within and in 2022 led the Argentinians to win the world cup.

Such shadows can not only be natural but acquired. Life experiences,

interaction with others and inherent biases can amplify the shadow's image. The age old ~~the~~ rhetoric - what one can do against such system, is one manifestation of it. We tend to see the shadows first rather than sunshine due to the pessimism bias and bystander effect.

In this perspective, keeping the face towards sunshine becomes salient. Roger Bannister failed several times in his goal of running a mile within a time limit. In fact, at that time it was believed or made to believe that human body cannot take that much strain.

But Roger Bannister simply focused upon his goal and proved the world wrong by running a mile under 4 minutes.

### The inevitability of shadows

It is said that a tree that grows upto heaven must send its roots to hell first. Shadows are inevitably present as the other side of the coin.

In 1958, a British Airways had a crash landing. On-board was the on-song Manchester United team. Unfortunately, 23 of its team members died. The instance reflects that even when

shadows aren't man-made product like holocaust they are present as nature's element.

In fact, the leaders we see who keep walking towards sunshine can do so due to the countless shadows of followers.

Vinoba Bhave rightly quoted that "Moon's harshlight blinds us to the true work of stars".

Though sunlight and shadow exist in a continuum, it is we who decide where to keep our face. Seeing a shadow can demoralize a person and question the meaning of existence of things.

The growth of Nihilism was due to the shadows of world war I. But one must remember that these shadows are the reasons for inspiration to keep looking towards sunshine.

### The choice of sunshine

Keeping one's face to the sunshine requires marshals of thought, armour of will and forte of reason. The impact of it is <sup>that</sup> one gets to avoid seeing the shadows. The Manchester team that got disarrayed rose again and secured 2<sup>nd</sup> position in league championship. The highest goal scorer was

none other than crash survivor.

Keeping face to wards sunshine is a potent tool for self-motivation and even motivations of others (Hygiene factor as per Herzberg Theory). During Battle of Longewala, less than 300 Indian soldiers successfully held off 2000 pak soldiers for they kept looking towards the sunshine and rays of saving the motherland.

Sunlight is the best disinfectant with respect to public administration. Choice of Transparency can enable us to not see the shadows of corruption, misuse of discretion and breach of

public trust.

The shadows of war (Russia-Ukraine), commodification, disinhibition, violation of human rights, etc. makes it an utmost ~~importance~~ virtue of keeping the face towards sunshine. To develop it one needs to imbibe a wholesome rather than compartmentalised.

Developing self-awareness is the prime aspect of it. Instead of victim, choose to be a survivor just like Nadia Murad. It not only liberates oneself but is a positive force for society also.

Emotional intelligence is another aspect as it can develop positive goal discrepancy, thus, renewing the zeal of looking towards sunshine. Finally, it is the volitions that needs to be re-oriented to complement the above two aspects.

Keeping one's face to the sunshine can enable one to realise the place book 'Line of Mercy' envisions - "a place where laughter rings, place where illuminations of fire and wisdom burns warm, place where love is not a fatal poison, place where the redemption and mercy do not hide their wings".

उम्मीदवारों को  
इस छेत्र में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

उम्मीदवारों को  
इस हार्शियर में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

# SPACE FOR ROUGH WORK

Darker the night nearer the dawn -

freedom struggle → in disarray  
then Gandhi

Indian democracy  
, balkanization

LPG reforms

LGBTQIA+ → ( )  
westernizing → tradition end

Hope rises like a phoenix - S.A. Sacha.

Tiding over <sup>wave of</sup> pain, courage to undergo change.

they're up there

Human ingenuity is the ultimate renewable

Covid-19

N.N. Taleb

↳ Globalization not ending but transforming

change only cost as per insecticides  
• why caterpillar thinks world is over

Revolution ≠ Evolution

• But then transformation

Eye cannot see what the mind does not know

• How to smoothen the process

LGBTQIA+ → failure of institution of marriage

The ones who are certain to miss future - J.F. Kennedy

# SPACE FOR ROUGH WORK

Before the ~~broken~~ <sup>chains</sup> are broken the minds are invaded first.

Anne Frank →  
↓

search for meaning }

face → sunshine → ~~no~~ shadow

Goal  
success is the realization of a worthy goal.

The tree who grows up to heaven must send its

sunshine → no shadow

seeing the shadow inspiration for sunshine.

Anne Frank

perils of unparallded power

Bureaucracy

sunlight is the best disinfectant. Transparency  
↓  
avoid shadows of corruption, misuse of discretion

Khalil Gibran

sunshine is like a worthy goal symbol, ideal.

sunshine → +ve → EI  
↓  
goal realised  
↓  
+ve god discrepancy

**SPACE FOR ROUGH WORK**

**AL**